भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरिंग संस्थान नाशिक रोड

Indian Railways Institute of Electrical Engineering, Nashik Road

77 वां

गणतंत्र दिवस

संदेश



गणतंत्र दिवस संदेश



उपस्थित अध्यक्षा, महिला समाज सेवा समिति, माननीय संकाय सदस्यगण, समिति की सदस्याएँ, प्रशिक्षु अधिकारी एवं प्रशिक्षु पर्यवेक्षकगण, उप-मुख्य कारखाना प्रबंधक (कमका), कर्षण मशीन कारखाना के अधिकारीगण, क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, रेल सुरक्षा बल के वाइस प्रिंसिपल एवं उनके अधिकारी-कर्मचारीगण, कमका हेल्थ यूनिट की सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी एवं उनके सहकर्मी, इरीन के सभी कर्मचारीगण, उनके परिवारजन तथा प्रिय बच्चों-आप सभी को 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

26 जनवरी का यह दिन हम सभी के लिए गौरव एवं आत्मचिंतन का अवसर है। वर्ष 1950 में इसी दिन हमारे संविधान के लागू होने के साथ भारत एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य बना। यह दिवस हमें स्वतंत्रता, एकता, समानता और न्याय जैसे मूल्यों के प्रति हमारी सतत प्रतिबद्धता का स्मरण कराता है तथा यह भी सिखाता है कि अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का ईमानदार निर्वहन भी उतना ही आवश्यक है।

देश की प्रगति में भारतीय रेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। भारतीय रेल केवल एक परिवहन प्रणाली नहीं, बल्कि राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक उन्नति की रीढ़ है। अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के धैर्य, अनुशासन एवं समर्पण के कारण भारतीय रेल ने प्रत्येक चुनौती में स्वयं को सिद्ध किया है। इस विकास यात्रा में विद्युत विभाग का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है।

इसी संदर्भ में, इरीन पिछले 37 वर्षों से नव-नियुक्त एवं पदोन्नत अधिकारियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करता आ रहा है। नवंबर 2017 से सुपरवाइज़र प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से पर्यवेक्षकों को भी व्यवस्थित एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। संस्थान का सतत प्रयास रहा है कि प्रशिक्षण प्राप्त कर जब अधिकारी एवं पर्यवेक्षक अपने कार्यस्थलों पर जाएँ, तो वे तकनीकी रूप से सक्षम, प्रशासनिक रूप से सजग तथा नेतृत्व की जिम्मेदारियों के लिए पूर्णतः तैयार हों।
रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार इरीन ने IRMS (Electrical) के साथ-साथ अब IRMS (Stores) के लिए भी प्रशिक्षण प्रारंभ किया है। इस क्रम में इरीन को IRMS (Stores) के लिए नोडल केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान नामित किया गया है तथा स्टोर्स कैडर के संकाय सदस्य भी संस्थान में पदस्थ हो चुके हैं।

वर्ष 2025 की उपलब्धियों को साझा करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। जनवरी से दिसंबर 2025 के दौरान इरीन में कुल 87 ऑफलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 1225 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया तथा कुल 24,524 ट्रेनी-डे सृजित हुए। इसी अवधि में गैर-रेलवे एवं DFCCIL के कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान कर ₹1,55,06,252/- का राजस्व अर्जित किया गया, जो आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इलेक्ट्रिकल पाठ्यक्रमों के अंतर्गत वर्ष 2025 में छह हरित ऊर्जा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें भारतीय रेलवे के 11 तथा DFCCIL के 10 अधिकारियों ने भाग लिया। एक सप्ताह का EMU/MEMU प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें चार अधिकारियों ने सहभागिता की। इसके अतिरिक्त, विद्युत विभाग में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले IRSEE 1997 एवं 1998 बैच के अधिकारियों के लिए दो-दिवसीय सिल्वर जुबली प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्य लोको निरीक्षकों के लिए 16 प्रारंभिक तकनीकी तथा 6 पुनश्चर्या प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से कुल 775 निरीक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार TPC वर्किंग पर TRD, C&W एवं

AC कोचिंग सुपरवाइज़र के लिए विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें कुल 180 सुपरवाइज़रों ने भाग लिया।

वर्ष 2025 में आईसी इलेक्ट्रिकल (Group-B) पाठ्यक्रम में कार्यक्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप महत्वपूर्ण सुधार किए गए। नए पाठ्यक्रम में तकनीकी विषयों के साथ-साथ कार्मिक, वित्त एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित विषयों को भी सम्मिलित किया गया। अगस्त 2025 के बाद आयोजित सभी IC पाठ्यक्रम इसी संशोधित संरचना के अंतर्गत संचालित किए गए। वर्ष 2025 में कुल चार IC कोर्स आयोजित हुए, जिनमें 64 अधिकारियों ने भाग लिया, जो पिछले पाँच वर्षों में सर्वाधिक संख्या है।

IRMS (Stores) संवर्ग के अंतर्गत अगस्त 2025 में ग्रुप-बी स्टोर्स अधिकारियों का पहला इंडक्शन कोर्स आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न जोनल रेलवेज एवं उत्पादन इकाइयों से 24 अधिकारियों ने भाग लिया। वर्ष 2025 में कुल दो इंडक्शन कोर्स आयोजित किए गए, जिनमें 45 अधिकारियों को संरचित एवं समग्र प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, जगजीवन राम रेल सुरक्षा बल अकादमी, लखनऊ के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए आयोजित दो-सप्ताह के विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में चार IRPFS अधिकारियों ने भाग लिया।

इरीन में पाँच क्षेत्रीय रेलों तथा रेलवे बोर्ड के सतर्कता संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा “सतर्कता समीक्षा बैठक” का आयोजन किया गया। भारतीय रेल के IRSEE-1993 बैच के अधिकारियों के 30 वर्ष का सेवाकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पर्ल जुबली (Pearl Jubilee) पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इरीन की फैकल्टी द्वारा बाहरी प्रशिक्षण संस्थानों में कुल 20 पाठ्यक्रमों में भाग लेकर अपनी दक्षताओं को और सुदृढ़ किया गया।

इरीन अब केवल रेलवे के लिए ही नहीं, बल्कि अन्य सरकारी संगठनों के लिए भी एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण केंद्र के रूप में स्थापित हो चुका है। वर्ष 2025 में हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, नासिक के डीजीएम स्तर के अधिकारियों के लिए “विस्तारा-II” एवं “विस्तारा-III” नामक दो विशेष आवासीय रणनीतिक कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें कुल 79 अधिकारियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, रेलवे बोर्ड एवं एशियाई परिवहन विकास संस्थान के सहयोग से 35वाँ BIMSTEC अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें दस देशों के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन के वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों के लिए सप्लाई चेन मैनेजमेंट विषय पर तीन-दिवसीय विशेष कार्यशाला भी आयोजित की गई।

अन्य गतिविधियों के अंतर्गत, भारतीय रेल में विद्युतीकरण के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 3 एवं 4 फरवरी को शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं जन-सहभागिता कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु स्पीडोमीटर एनालिसिस प्रयोगशाला की स्थापना की गई तथा पावर इलेक्ट्रॉनिक्स बिल्डिंग में लोको गैलरी का उद्घाटन किया गया। इरीन में पहली बार मुख्य लोको निरीक्षकों के लिए “Meditation & Breathing Workshop” आयोजित की गई, जिसमें 79 निरीक्षकों ने भाग लिया। वानी में WCL अधिकारियों के लिए भी तीन-दिवसीय राष्ट्रीय कर्मयोगी मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी कड़ी में, एक तीन-दिवसीय राष्ट्रीय कर्मयोगी मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम में भारतीय रेलवे के MDTI के 32 प्रशिक्षकों को तथा तीन एक-दिवसीय राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रमों में 87 प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। जो कर्मचारी इरीन में प्रत्यक्ष रूप से प्रशिक्षण हेतु उपस्थित नहीं हो पाते, उनके लिए iGOT मिशन कर्मयोगी पोर्टल पर 38 घंटे के 14 कोर्स अपलोड किए गए हैं। प्रणाली सुधार के अंतर्गत SOP, फ्रेमवर्क एवं मास्टर लिस्ट जारी की गई हैं तथा पाँच स्थायी निरीक्षण समितियों का गठन किया गया है। ग्रीन इनिशिएटिव्स के अंतर्गत IGBC प्रमाणन की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई है।

हम सभी प्रत्येक वर्ष स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान स्वच्छता शपथ लेते हैं, जिसमें साप्ताहिक श्रमदान का संकल्प भी सम्मिलित होता है। गत वर्ष स्वच्छता पखवाड़ा के समापन के उपरांत भी प्रत्येक शनिवार को निरंतर श्रमदान की परंपरा को

जारी रखते हुए इस शपथ को अपने आचरण में उतारा गया। इस श्रमदान के माध्यम से STC के पीछे का क्षेत्र अब लगभग जंगली घास से मुक्त होकर पूर्णतः स्वच्छ हो चुका है। पूर्व में इस कार्य हेतु वर्क ऑर्डर एवं पर्याप्त राजस्व की परिकल्पना की जा रही थी, किंतु यह कार्य सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं के सामूहिक श्रमदान से संभव हो सका। इसके लिए मैं आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में इरीन का योगदान सराहनीय रहा है। संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण में संस्थान के हिंदी कार्यों की प्रशंसा की गई तथा संतोषजनक निरीक्षण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नासिक द्वारा इरीन को "उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। राजभाषा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें पहली बार गीतकार शैलेन्द्र जी की जयंती के उपलक्ष्य में विशेष आयोजन भी सम्मिलित रहा।

इसी वर्ष प्रथम बार प्रवेशांक के रुप में त्रैमासिक ई-पत्रिका "इरीन समाचार" को प्रकाशित किया गया। अब जिसे नियमित रुप से प्रकाशित किया जा रहा है। इसके साथ ही वर्ष 2022 से बंद त्रैमासिक ई-पत्रिका "इरीन ई-जर्नल" को भी नियमित रुप से पुनः प्रकाशित किया जा रहा है।

प्रशिक्षुओं की सुविधा हेतु 10 अंग्रेजी मे उपलब्ध रीडिंग सामग्री में से 5 को फैकल्टी के स्वयं के प्रयासों से हिन्दी में अनुवाद किया गया एवं बाकी 5 का अनुवाद मार्च '26 तक कर लिया जाएगा।

इरीन के भव्य विस्तारीकरण की योजना के अंतर्गत तैयार किए गए मास्टर प्लान का अनावरण माननीय सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर) द्वारा दिनांक 30.07.2025 को किया गया। इस दिशा में फेज-1 हेतु ₹119 करोड़ के कार्य की स्वीकृति अंतिम चरण में है तथा फेज-2 हेतु ₹105 करोड़ के कार्य की प्रक्रिया भी पूर्ण कर ली गई है। इरीन को पावर इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनने के उद्देश्य से ₹ 3 करोड़ के कार्य को भी स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

महिला समाज सेवा समिति द्वारा कर्मचारियों, ठेका श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के लिए निरंतर कल्याणकारी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। हाल ही में प्रारंभ किया गया "नव्या स्टोर" परिसरवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा सिद्ध हुआ है। इसके लिए समिति की अध्यक्षा एवं सभी पदाधिकारियों का मैं हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

इरीन की गरिमा एवं उत्कृष्टता को बनाए रखने में संस्थान के अधिकारी, कर्मचारी एवं सह-कार्यालयों का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। मैं आप सभी के परिश्रम एवं सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ तथा भारतीय रेलवे के विकास में इरीन की निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका का आश्वासन देता हूँ।

अंत में, मैं एक बार पुनः आप सभी को एवं आपके परिवारजनों को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

26 जनवरी 2026

जय हिंद !

इसहाक़ खान
महानिदेशक, इरीन

